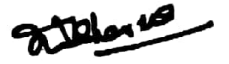


करने के बावजूद भी प्रार्थी बैंक को जमा नहीं कराया है। उक्त अधिनियम की धारा 14 के अर्न्तगत प्रार्थी बैंक के पक्ष में उक्त रहन रखी सम्पत्ति का अधिनियम के प्रावधान अनुसार कब्जा प्रार्थी बैंक को या उसके द्वारा नियुक्त व्यक्ति को दिलवाने का आदेश फरमाते हुये प्रार्थनापत्र स्वीकार किया जावे।

हमने बहस पर मनन किया एवं पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात का अवलोकन किया। प्रार्थी बैंक द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अर्न्तगत नोटिस जारी करने के पश्चात भी मांग की गई राशि का अप्रार्थी द्वारा भुगतान नहीं किया है। अतः The Securitisation and reconstruction of financial assets and enforcement of securities interest Act 2002 की धारा 14 में प्रदत्त शक्तियों के तहत प्रार्थी बैंक द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। अप्रार्थी ऋणी की ओर से प्रार्थी बैंक के पक्ष में बंधक सम्पत्ति ए. एम. सी संख्या 277/14=558/21=7/639 माली मोहल्ला, नवाब का बेडा अजमेर जिला अजमेर(राज.) स्थित आवासीय भूमि व निर्मित भवन जो श्री राम किशोर खण्डेलवाल पुत्र श्री चतुर्भुज खण्डेलवाल के नाम से है, जिसका क्षेत्रफल बैंक रिकोर्ड के अनुसार 442.00 वर्ग फिट है जिसकी सीमाएं पूर्व में-सम्पत्ति संख्या 21/557, पश्चिम में-सम्पत्ति संख्या 21/559, उत्तर में -9 फिट चौड़ी गली, दक्षिण में -निजी मकान, का भौतिक कब्जा प्रार्थी बैंक द्वारा जरिये संबंधित पुलिस थाना इमदाद प्राप्त किये जाने के आदेश दिये जाते है। उक्त सम्पत्ति का कब्जा दिलाने हेतु पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन भत्तों व यात्रा व्यय आदि का भुगतान नियमों में देय है तो संबंधित बैंक द्वारा वहन किया जायेगा। आदेश की प्रति प्रार्थी बैंक, पुलिस अधीक्षक, अजमेर को हस्ब कायदा जारी हो।

आदेश आज दिनांक 27.08.2019 को सुनाया गया।




(विश्व मोहन शर्मा)
जिला मजिस्ट्रेट
अजमेर